ठेका श्रमिकों के सशक्तिकरण में श्रमिक संघ की भूमिका एवं समाज कार्य हस्तक्षेप की संभावनाएं

(इफ्फको लिमिटेड फूलपुर इकई इलाहाबाद जिला के विशेष संदर्भ में)

(Role of Trade union in the Empowerment of Contract Labours and possibilities of Social work intervention)

एम.फिल. समाजकार्य के उपाधि हेतु प्रस्तुत

शोध सार (Rsearch Summary)

सत्र 2016-2017

शोध निर्देशक
डॉ. अमित राय
सहायक प्रोफेसर

शोधार्थी
नौशेर आलम मोहम्मद नज़ीर आलम
एम.फिल समाज कार्य
नामांकन संख्या-2016/05/211/009

महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997 क्र. 3 के अंतर्गत स्थापित)
पोस्ट- हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा- 442005 (महाराष्ट्र) भारत

ठेका श्रमिकों के सशक्तिकरण में श्रमिक संघ की भूमिका एवं समाज कार्य हस्तक्षेप की संभावनाएं (इफ्फको लिमिटेड फूलपुर इकई इलाहाबाद जिला के विशेष संदर्भ में)

अनुक्रमाणिका

अध्याय	**पृष्ठ सं.**
प्रथम अध्याय- प्रस्तावना एवं शोध प्रविधि	**1-32**
1.1 शोध का परिचय	1
1.2 अध्ययन का तर्क	4
1.3 अध्ययन का शीर्षक	5
1.4 मूलभूत अनुसंधान प्रश्न	5
1.5 अध्ययन के उदेश्य	5
1.6 शोध परिकल्पना	6
1.7 समान्यीकरण	6
1.8 अध्ययन का भौगोलिक क्षेत्र	7
1.9 शोध प्ररचना	7
1.9.1 अध्ययन की इकाई	7
1.9.2 अध्ययन का समग्र	7
1.9.3 नमूनाकरण विधि	7
1.9.4 नमूना तकनीक	7
1.9.5 नमूने का आकार	7

1.10 शोध प्रविधि 7

1.11 डाटा संग्रहण का तरीका एवं उपकरण 8

1.12 शोध की सीमाएँ 8

1.13 सूचनाओं के स्त्रोत (Data of Sources) 8

1.14 साहित्यिक समीक्षा (Review of Literature) 9

द्वितीय अध्याय-श्रमिक संघ का परिचय **33-34**

2.1 श्रमिक संघ का अर्थ 33
2.2 श्रमिक संघ का इतिहास 34
2.3 श्रमिक संघ के प्रकार 35 2.4
श्रमिक संघ की भूमिका 36
2.5 असंगठित श्रमिक 38
2.6 असंगठित श्रमिकों की समस्याएँ 39
2.7 उपचारात्मक उपाय 40

तृतीय अध्याय-श्रमिक संघ का ऐतिहासिक पृष्ठभूमि **44-55**

3.1 श्रमिक संघों का विकास 44

3.2 इंग्लैण्ड (England)- में श्रमिक संघ : 44

3.3 सयुक्त राज्य अमेरिका में श्रमिक संघ का इतिहास: (History of Trade Union U.S.A.) 44

3.4 भारत में श्रमिक संघ के उदभव एवं विकास 48

चतुर्थ अध्याय-सामाजिक एवं आर्थिक विश्लेषण **53-90**

4.1 श्रमिकों का आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति का विश्लेषण 53
4.2 व्यक्तिक अध्ययन 79

पंचम अध्याय - निष्कर्ष एवं सुझाव **91-106**
संदर्भ ग्रंथ सूची

परिशिष्ठ

ठेका श्रमिकों की सशक्तिकरण में श्रमिक संघ की भूमिका एवं समाज कार्यहस्तक्षेप की संभावनाएँ: इफ्फको लिमिटेड फूलपुर ईकाई इलाहाबाद जिला के विशेष सन्दर्भ में

प्रस्तुत शोध में ठेका श्रमिकों के सशक्तिकरण में श्रमिक संघ की भूमिका को रेखांकित करते हुये इफ्फको लिमिटेड फूलपुर इकाई इलाहाबाद के ठेका श्रमिकों के सामाजिक आर्थिक जीवन का विश्लेषण किया गया है। ठेका श्रमिकों के सशक्तिकरण में श्रमिक संघ की भूमिका एवं समाजकार्य हस्तक्षेप को सुझाया गया है। प्रस्तुत शोध पांच अध्यायों में विभक्त किया गया है। प्रथम अध्याय में उद्योग संगठन श्रमिक संघ एवं ठेका श्रमिकों से जुड़ी समस्त मुद्दों पर एवं एवं इससे जुड़ी पुस्तके,पत्र-पत्रिकाएँ ,इन्टरनेट इत्यादि में ठेका श्रमिकों से संबंधित मुद्दे एवं लेखों का साहित्य पुनरावलोकन किया गया है। इस अध्याय का शीर्षक प्रस्तावना,एवं शोध प्रविधि दिया गया है। शोध से संबंधित मूलभूत विधियाँ एवं प्रविधियों को बताया गया है। द्वितीय अध्याय में श्रमिक संघ का परिचय, श्रमिक संघ का अर्थ एवं परिभाषाओं को रेखांकित किया गया है। साथ ही साथ श्रमिक संघ का इतिहास एवं उनके प्रकारों का भी वर्णन किया गया है। इसी के साथ श्रमिक संघ की भूमिका,असंगठित श्रमिक एवं उनकी समस्याएँ तथा उनकी उपचारात्मक इकाई की भी चर्चा की गई है। तृतीय अध्याय में श्रमिक संघ की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला है। श्रमिक संघ के विकास पर प्रकाश डालते हुये इंग्लैंड में श्रमिक संघ का इतिहास एवं संयुक्त राज्य अमेरिका में श्रमिक संघ के ऐतिहासिक विकास को रेखांकित किया गया है। साथ ही साथ भारत में श्रमिक संघ के ऐतिहासिक विकाश पर प्रकाश डाला गया है, इंग्लैंड एवं भारत में श्रमिकों की स्थिति पर प्रकाश डाला गया है। साथ ही श्रमिक संघ एवं श्रमिक आन्दोलनों के सन्दर्भ में शासको,जमींदारो एवं मिल मालिकों के शोषण से मुक्ति के लिए श्रमिक संघ के आन्दोलन एवं विभिन्न श्रमिकों से संबंधित अधिनियमों के बारे में विस्तार से चर्चा की

गई है। यह अध्याय भारत में श्रमिक संघ के ऐतिहासिक विकास को परिलक्षित करती है। चतुर्थ अध्याय में श्रमिकों से संबंधित सामाजिक,आर्थिक स्थिति का विश्लेषण किया गया है ।विश्लेषण के लिए इलाहाबाद के इफ्फको लिमिटेड फूलपुर इकाई का चयन किया गया है। इसके लिए स्वनिर्मित साक्षात्कार अनुसूची का प्रयोग किया गया हैतत्पश्चात SPSS प्रविधि के माध्यम से विश्लेषण किया गया है। इस विश्लेषण के अंतर्गत श्रमिक संघ की भूमिका का विश्लेषण किया गया है। पंचम अध्याय में ठेका श्रमिकों के सशक्तिकरण में श्रमिक संघ की भूमिका एवं समाजकार्यहस्त क्षेप की संभावनाओ को सुझायागया है । प्रस्तुत शोध में ठेका श्रमिकों के सशक्तिकरण में श्रमिक संघ की भूमिका एवं समाजकार्य हस्तक्षेप के संभावनाओं को तलाश करने की कोशिश की गई है। इसमें यह बताने का प्रयास किया गया है कि ठेका श्रमिकों के सशक्तिकरण में श्रमिक संघ अपनी भूमिका का निर्वहन किस प्रकार कर रहे है? श्रमिकों के सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में क्या-क्या बदलाव आए है ? श्रमिक संघ के कार्य से ठेका श्रमिक की संतुष्टि का स्तर बढ़ा है या नहींइसके साथ समाजकार्य हस्तक्षेप की संभावनाओं को तलाशने की कोशिश की गई है । मुख्य रूप से ठेका श्रमिकों के सशक्तिकरण में श्रमिक संघ की भूमिका एवं समाजकार्य हस्तक्षेप के अंतर्गत श्रमिकों की सामाजिक आर्थिक स्थिति का अध्ययन करना तथा श्रमिक संघ द्वारा ठेका श्रमिको के लिए किए गए कार्यों का अध्ययन करना इत्यादि है।

प्रस्तुत शोध मात्रात्मक एवं गुणात्मक दोनों ही प्रकृति का हैइसलिये तथ्य संकलन के लिये प्राथमिक एवं द्वितीयक दोनों तरह के स्त्रोतों का उपयोग किया गया है,और संबंधित व्यक्तियों का

साक्षात्कार लिया गया। जिसके लिए एक साक्षात्कार अनुसूची तैयार की गयी साक्षात्कार अनुसूची शोधकर्ता द्वारा स्वनिर्मित है।

वैयक्तिक अध्ययन विधि की सहायता से प्रतिदर्श द्वारा चयनित इकाइयों का गहन व सूक्ष्म अध्ययन प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। द्वितीयक स्त्रोतों के लिये पुस्तकालयों ,अखबारों आदि के अधारों को चूना गया। शोध में तथ्यों के संकलन के लिये प्राथमिक संकलन के रूप में साक्षात्कार पद्धति का उपयोग किया गया। प्रत्यक्ष रूप से साक्षात्कार करने के लिये संरचित साक्षात्कार अनुसूची का प्रयोग किया गया। अध्ययन को पूर्ण करने के लिए लाब्रेरी मेथड का प्रयोग किया गया है। जैसे पुस्तक ,इंटरनेट ,समाचारपत्र इत्यादि।

श्रमिक संघों का यह उत्तरदायित्व बनता है कि वह कंपनी के साथ सहयोग कर एक ऐसी व्यवस्था का विकास करे जो कंपनी के हित के साथ-साथ ठेका श्रमिकों के सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में बदलाव लाएं तथा समय-समय पर श्रमिक संघ ऐसे कार्यक्रमों को संचालित करे जहाँ कंपनी मालिकों,श्रमिक संघ और ठेका श्रमिक बहुतायत रूप में उपस्थित हो तथा इनको जागरूक करने के लिए नियमित रूप से विभिन्न संस्कृतिक गतिविधियों,प्रशिक्षणों एवं कार्यशालाओं का आयोजन श्रमिक संघ कंपनी के सहयोग से कर सकता है। प्रस्तुत शोध में वर्णात्मक पद्धति का प्रयोग किया गया है द्वितीयक स्त्रोतों के रूप में ठेका श्रमिक एवं श्रमिक संघ के संबंधों में विभिन्न पुस्तकों,पत्र पत्रिकाओं और इंटरनेट

आदि के माध्यम से इसका अध्ययन किया गया हैं। शोध अध्ययन के पश्चात यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ है कि श्रमिक संघ के कारण ठेका श्रमिक सशक्त हुए है तथा उनके सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में बदलाव आया है ,तथा ठेका श्रमिक ,श्रमिक संघ के कार्यों से संतुष्ट है।